

श्री भीखुदान गोविंदभाइ गढवी

Shri Bhikhudan Govindbhai Gadhvi



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

श्री भीखुदान गोविंदभाइ गढवी

श्री भीखुदान गोविंदभाइ गढवी गुजराती लोक साहित्य के एक प्रसिद्ध कलाकार है जिनको दायरों के माध्यम से लोक गीतों के गायन तथा कहानियों के जरिए वोकल परम्परा तथा लोक साहित्य को जीवंत रखने का श्रेय प्राप्त हुआ है।

2. आपका जन्म सितम्बर 19, 1948 को गुजरात जिले के खिजदाल में हुआ था। आपने अपनी एस एस सी की शिक्षा जूनागढ़ (गुजरात) से पूरी की। आप उस चारण समुदाय से संबंध रखते हैं जिन्हें गायन की कला में दक्षता प्राप्त है। आप मंचन क्षेत्र में 48 वर्ष से सक्रिय हैं। आपने मात्र 20 वर्ष की आयु से ही जनता के बीच लोक कथाएं सुनाना शुरू कर दिया था। आपने भारत के सभी महानगरों में सजीव कार्यक्रम प्रस्तुत किए हैं तथा विदेशों जैसे अमेरिका, लंदन, कनाडा, सिंगापुर, मलेशिया, इन्डोनेशिया, दुबई, शारजाह, मसकट, अफ्रीका इत्यादि में भी अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किए हैं। आपके कार्यक्रम अहमदाबाद दूरदर्शन टीवी स्टेशन ई टी वी गुजरात तथा अन्य गुजराती चैनलों में "कठियावाड ने कांगरे" जैसे धारावाहिकों के माध्यम से प्रसारित हुए हैं तथा टीवी धारावाहिक "गम्मत गुलाल" में आपकी कई बार भागीदारी रही है। आपने लोक साहित्य के उक्त कार्यक्रमों के रूप में 350 एवं उससे अधिक एलबम जारी किए हैं। वर्ष 2006 में आपको दैनिक समाचार पत्र दिव्य भास्कर द्वारा आयोजित एक सर्वेक्षण में एक प्रख्यात गुजराती कलाकार के रूप में चयनित किया गया।

3. आपने वर्ष 2008 में न्यू जरसी, अमेरिका में गुजराती विश्व सम्मेलन में भाग लिया। आप स्वच्छ भारत मिशन के राज्य स्तर के ब्रांड एम्बेसडर हैं। आप श्री जावेरचन्द मेधावी लोक साहित्य केन्द्र, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट, गुजरात के सदस्य हैं।

4. आपने कई सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त किए हैं जिसमें भारत सरकार द्वारा वर्ष 2009 में प्रदान किया गया संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, गुजरात सरकार द्वारा गुजरात राज्य संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, वर्ष 2007 में सामाजिक कल्याण एवं अधिकारिता विभाग, गुजरात सरकार द्वारा रवि शंकर महाराज पुरस्कार तथा खेलकूद एवं संस्कृति विभाग द्वारा गौरव पुरस्कार एवं 2010 में कवि काग बापू पुरस्कार शामिल है।

Shri Bhikhudan Govindbhai Gadhvi

Shri Bhikhudan Govindbhai Gadhvi is well known artist of Gujarati folk-literature, who is credited for keeping alive folk literature and vocal traditions through his rendering of tales and singing of folk songs through the medium of Dayro.

2. Born on September 19, 1948 in Khijdal village the district of Gujarat, Shri Gadhvi completed his SSC from Junagadh (Gujarat). He belongs to the Charan Community, which is very expert in the art of singing. Shri Gadhvi has been active on stage for the last 48 years. He started narrating folk tales in public when he was just 20 years. He gave many live programmes in all metro cities of India and also gave in Abroad namely America, London, Canada, Singapore, Malaysia, Indonesia, Dubai, Sharjaha, Mascut, Africa etc. His programme have been broadcasted from Ahmedabad Doordarshan TV Station, Etv Gujarati & other Gujarati Channels in serial like "Kathiyavad ne Kangre" & participated in TV Serial "Gammat Gulal" so many times. He has released about 350 album as above said programmes of folk-literature. In Year 2006 He was selected as Eminent Gujarati in the Survey Conducted by Daily News Paper 'Divya Bhaskar'.

3. Shri Gadhvi attended theGujarati World conference at New Jersey, USA in Year 2008. He is State level brand ambassador of Swachh Bharat Mission. He is member of Shri Zaverchand Meghani Loksahitya Kendra-Saurastra University, Rajkot , Gujarat.

4. Shri Gadhvi has received many honours and awards including Sangeet Natak Akademi Award conferred by Government of India in 2009, Gujarat State Sangeet Natak Akademi award by the Government of Gujarat, Ravi Shankar Maharaj Award by Social Welfare & Empowerment Department, Government of Gujarat in year 2007 and Gaurav Puraskar by Sports, Youth & Cultural Activities Department and Kavi Kag Bapu Award in 2010.